

ग्रामीण अंचल

संक्षेप समाचार

बिना नंबर की कार से बरामद हुआ आठ किलो गांजा, चार गिरफ्तार

प्रयागराज। कोतवाली पुलिस और काल्पन ब्रांच ने गोबर नंबर की पास छापामारी कर आठ किलो गांजा के साथ चार तकरों को गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से विना नंबर की एक कार भी बरामद की गई है। पता चला है कि कार चोरी की है। पुलिस को सूना मिली थी कि कुछ गांजा तकर गोबर गांजी में अंधेरे में किसी को माल बेचने के लिए खड़े हैं। पुलिस पहुंची तो एक कार में कुछ लोग बैठे थे। कार बरामद चार लोगों को बाहर उत्तरकर उनका नाम पता पूछा गया एवं ललशी ली गई। प्रियंजन कुमार मिश्र निवासी अंटैटी जनाम में से को पास से 300 ग्राम गांजा, राम सागर पाल निवासी ग्राम मुस्तुर थाना जेठा के पास से दो किलो 150 ग्राम गांजा, सुरेश कुमार जामियावाल निवासी ग्राम खाई के पास से दो किलो 200 ग्राम गांजा एवं सुरील राम निवासी ग्राम दानुर एवं सुरील गंडरा थाना नैनी के पास से एक किलो 100 ग्राम गांजा बरामद हुआ। चारों के पास से आठ किलो 800 ग्राम गांजा बरामद हुआ। चारों के पास से आठ किलो 800 ग्राम गांजा बरामद हुआ। चारों के पास से आठ किलो 800 ग्राम गांजा बरामद हुआ। चारों के पास से आठ किलो 800 ग्राम गांजा बरामद हुआ।

सड़क दुर्घटना में युवक की मौत, घर में कोहराम



मृतक की फाइल फोटो

उत्तरांचल थाना क्षेत्र के जगतपुर चौराहे पर बारात में जा रहा युवक की अनियन्त्रित बाइक टक में जा गया। जिससे 40 वर्षीय युवक की दर्दनाक मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने बहुत मस्कवत के बाद पता लगा सकी। पुलिस ने बताया कि युवक एक बारात में शामिल होकर अपने घर जा रहा था। पुलिस ने जेब में रखे आईटी से मृतक सौरभ सिंह उर्फ पंडा 40 वर्ष उम्र गुलाब सिंह निवासी सिंहियों थाना सराय इनावत के रूप लास की पहचान की। जो बेरठी डगरहा का पुरा थाना उत्तराव के एक बारात में आया हुआ था।

बताया जाता है कि युवक बारात से वापस अपने घर सोमवार बीची रात 2 बजे जा रहा था की जैसे ही उत्तरांचल थाना क्षेत्र के जगतपुर चौराहे पर पहुंचा था की प्रयागराज को तक तक से होतिया जा रही एक ट्रक की चपेट में आने से युवक की

पुलिस मौके पर पहुंचकर लाश को जानकारी जब घर के परिजनों को हुई तो घर में कोहराम मच गया। युवक दिवा युवक की मौत से पक्की मृजू देवी समेत परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। युवक की मौत से बारात में भी गम दो छोटे-छोटे बच्चे भी हैं। उत्तरांचल

क्षेत्र की फोटो

शादी विवाह के आयोजनों पर मंहगाई की मार झेल रहे लोग



मटेरियल व्यवस्था नहीं कर पा रही निर्माण कार्य दाई संस्था, धूल से संक्रमण, नष्ट रोड से वाहनों की खराबी

शहजादे

कोरोना के चलते टाल दिए थे जो अब प्रतिक्रिया गांवों में कई कार्यक्रम होने के चलते लोगों के सम्में कई चीजों की कमी हो गई है। सोमवार को लगन तेज होने के कारण कर्णाली बाजार में धंडे जाम के चलते लोगों को हलातकान होना पड़ा। पुलिस ने रुट डायरेंजन करना पड़ा और साधुकूटी चौराहे से बेला चौराहे की ओर बड़े वर्डे रहते से होकर गुजरना पड़ा। जाम के चलते लोगों को काफी परेशन होना पड़ा लगन तेज होने के टायर पुरुष खगव द्वारा होते जा रहे वह साथ मार्ग दुर्घटनाएं भी हो रही जिससे जनता में आंशकोश देखा जा रहा।

बताये की उक्त मुख्य मार्ग कोराव से महली रंगनथ संसारपुर चौराहा तक चौड़ी करण हो रही है। लैंकिन निर्माण कार्य दाई संस्था के लिए अवधारणा के लिए एवं धूल से संक्रमण का शिकार होना पड़ रहा है।

बोने वाले सामग्री ही नहीं परचेजिंग कर पा रहा। और जो निर्माण तक चौड़ी करण हो रही है निर्माण कार्य भी हो रहा वह धूल भरी जिंदगी गुजारने को विवास है।

बोने वाले सामग्री ही नहीं परचेजिंग कर पा रहा। और जो निर्माण तक चौड़ी करण हो रही है निर्माण कार्य भी हो रहा वह धूल भरी जिंदगी गुजारने को विवास है।

बोने वाले सामग्री ही नहीं परचेजिंग कर पा रहा। और जो निर्माण तक चौड़ी करण हो रही है निर्माण कार्य भी हो रहा वह धूल भरी जिंदगी गुजारने को विवास है।

बोने वाले सामग्री ही नहीं परचेजिंग कर पा रहा। और जो निर्माण तक चौड़ी करण हो रही है निर्माण कार्य भी हो रहा वह धूल भरी जिंदगी गुजारने को विवास है।

बोने वाले सामग्री ही नहीं परचेजिंग कर पा रहा। और जो निर्माण तक चौड़ी करण हो रही है निर्माण कार्य भी हो रहा वह धूल भरी जिंदगी गुजारने को विवास है।

बोने वाले सामग्री ही नहीं परचेजिंग कर पा रहा। और जो निर्माण तक चौड़ी करण हो रही है निर्माण कार्य भी हो रहा वह धूल भरी जिंदगी गुजारने को विवास है।

बोने वाले सामग्री ही नहीं परचेजिंग कर पा रहा। और जो निर्माण तक चौड़ी करण हो रही है निर्माण कार्य भी हो रहा वह धूल भरी जिंदगी गुजारने को विवास है।

बोने वाले सामग्री ही नहीं परचेजिंग कर पा रहा। और जो निर्माण तक चौड़ी करण हो रही है निर्माण कार्य भी हो रहा वह धूल भरी जिंदगी गुजारने को विवास है।

बोने वाले सामग्री ही नहीं परचेजिंग कर पा रहा। और जो निर्माण तक चौड़ी करण हो रही है निर्माण कार्य भी हो रहा वह धूल भरी जिंदगी गुजारने को विवास है।

बोने वाले सामग्री ही नहीं परचेजिंग कर पा रहा। और जो निर्माण तक चौड़ी करण हो रही है निर्माण कार्य भी हो रहा वह धूल भरी जिंदगी गुजारने को विवास है।

बोने वाले सामग्री ही नहीं परचेजिंग कर पा रहा। और जो निर्माण तक चौड़ी करण हो रही है निर्माण कार्य भी हो रहा वह धूल भरी जिंदगी गुजारने को विवास है।

बोने वाले सामग्री ही नहीं परचेजिंग कर पा रहा। और जो निर्माण तक चौड़ी करण हो रही है निर्माण कार्य भी हो रहा वह धूल भरी जिंदगी गुजारने को विवास है।

बोने वाले सामग्री ही नहीं परचेजिंग कर पा रहा। और जो निर्माण तक चौड़ी करण हो रही है निर्माण कार्य भी हो रहा वह धूल भरी जिंदगी गुजारने को विवास है।

बोने वाले सामग्री ही नहीं परचेजिंग कर पा रहा। और जो निर्माण तक चौड़ी करण हो रही है निर्माण कार्य भी हो रहा वह धूल भरी जिंदगी गुजारने को विवास है।

बोने वाले सामग्री ही नहीं परचेजिंग कर पा रहा। और जो निर्माण तक चौड़ी करण हो रही है निर्माण कार्य भी हो रहा वह धूल भरी जिंदगी गुजारने को विवास है।

बोने वाले सामग्री ही नहीं परचेजिंग कर पा रहा। और जो निर्माण तक चौड़ी करण हो रही है निर्माण कार्य भी हो रहा वह धूल भरी जिंदगी गुजारने को विवास है।

बोने वाले सामग्री ही नहीं परचेजिंग कर पा रहा। और जो निर्माण तक चौड़ी करण हो रही है निर्माण कार्य भी हो रहा वह धूल भरी जिंदगी गुजारने को विवास है।

बोने वाले सामग्री ही नहीं परचेजिंग कर पा रहा। और जो निर्माण तक चौड़ी करण हो रही है निर्माण कार्य भी हो रहा वह धूल भरी जिंदगी गुजारने को विवास है।

बोने वाले सामग्री ही नहीं परचेजिंग कर पा रहा। और जो निर्माण तक चौड़ी करण हो रही है निर्माण कार्य भी हो रहा वह धूल भरी जिंदगी गुजारने को विवास है।

बोने वाले सामग्री ही नहीं परचेजिंग कर पा रहा। और जो निर्माण तक चौड़ी करण हो रही है निर्माण कार्य भी हो रहा वह धूल भरी जिंदगी गुजारने को विवास है।

बोने वाले सामग्री ही नहीं परचेजिंग कर पा रहा। और जो निर्माण तक चौड़ी करण हो रही है निर्माण कार्य भी हो रहा वह धूल भरी जिंदगी गुजारने को विवास है।

बोने वाले सामग्री ही नहीं परचेजिंग कर पा रहा। और जो निर्माण तक चौड़ी करण हो रही है निर्माण कार्य भी हो रहा वह धूल भरी जिंदगी गुजारने को विवास है।

बोने वाले सामग्री ही नहीं परचेजिंग कर पा रहा। और जो निर्माण तक चौड़ी करण हो रही है निर्माण कार्य भी हो रहा वह धूल भरी जिंदगी गुजारने को विवास है।

बोने वाले सामग्री ही नहीं परचेजिंग कर पा रहा। और जो निर्माण तक चौड़ी करण हो रही है निर्माण कार्य भी हो रहा वह धूल भरी जिंदगी गुजारने को विवास है।

बोने वाले सामग्री ही नहीं परचेजिंग कर पा रहा। और जो निर्माण तक चौड़ी करण हो रही है निर्माण कार्य भी हो रहा वह धूल भरी जिंदगी गुजारने को विवास है।

बोने वाले सामग्री ही नहीं परचेजिंग कर पा रहा। और जो निर्माण तक चौड़ी करण हो रही है निर्माण कार्य भी हो रहा वह धूल भरी जिंदगी गुजारने को विवास है।

